

श्रीमान

19/3

पञ्जावली पेशा दुर्लभ। वाडी/वकील वारी - मायालम
मे अनुपासित दावा असम दाजरी/असम पैकी रखाकि
कि जा चुकी है। अतः 25 पञ्जावली मे कोई कापि वारी
शेष नही है। धर्मना पर असम दाजरी/असम पैकी
स्वारील नही जाती है। पञ्जावली फुलल शुमार होकर
कारिवाल इफ्तकर है।